भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4387

बुधवार, 20 अगस्त , 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान प्रणाली

4387. श्री ज्ञानेश्वर पाटील:
श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने पंचायत-स्तरीय मौसम पूर्वानुमान प्रणाली/पहल जिन राज्यों में लागू की है, उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) स्थानीय मौसम स्थितियों की निगरानी के लिए मध्य प्रदेश राज्य और संघ राज्यक्षेत्र दादरा और नगर हवेली सहित विभिन्न राज्यों में इस पहल के तहत वर्तमान में उपयोग किए जा रहे उपकरणों, जैसे रडार, उपग्रह आदि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मध्य प्रदेश और दादरा और नगर हवेली सहित विभिन्न राज्यों में डॉप्लर रडार की कमी के कारण स्थानीय मौसम स्थितियों की निगरानी चुनौतीपूर्ण हो गई है;

(घ) इस पहल का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार मध्य प्रदेश राज्य सहित पंचायत स्तर पर प्रभावी प्रति घंटा मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को लागू करने के लिए कोई उपाय कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान पहल (GPLWR) शुरू की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पंचायती राज मंत्रालय के सहयोग से 24 अक्टूबर 2024 को देश भर की लगभग सभी ग्राम पंचायतों के लिए GPLWF की शुरुआत की है।

(ख) वर्तमान में, दादरा नगर हवेली सहित पूरे देश में स्थानीय मौसम की स्थिति की निगरानी विभिन्न उपकरणों के माध्यम से की जाती है, जिनमें उपग्रह (इनसैट-3DR & 3DS), रडार, रेडियो सोनदेस, स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS) आदि शामिल हैं।

(ग)-(घ) जी हाँ। स्थानीय मौसम दशाओं की निगरानी चुनौतीपूर्ण है। हालाँकि, हाल के वर्षों में देश में रडार सहित मौसम संबंधी प्रेक्षण नेटवर्क में सुधार के साथ, स्थानीय मौसम की निगरानी और पूर्व चेतावनी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आने वाले वर्षों में रडार नेटवर्क और अन्य अवलोकन नेटवर्क में वृद्धि के साथ, स्थानीय मौसम की स्थिति, विशेष रूप से गंभीर मौसम दशाओं निगरानी और पूर्व चेतावनी में और सुधार होगा।

वर्तमान में, देश के एक बड़े हिस्से (देश के कुल क्षेत्रफल का लगभग 87%) के लिए DWR कवरेज उपलब्ध है। आने वाले वर्षों में आवश्यकतानुसार और अधिक रडार स्थापित किए जाएँगे ताकि शेष रिक्त क्षेत्रों को भी कवर किया जा सके और अतिरिक्तता प्रदान की जा सके।

(ङ) ग्राम पंचायत स्तर पर मौसम पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in/), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज्य मंत्रालय के ई-मानचित्र और IMD के मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। GPLWF का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक मौसम पूर्वानुमान प्रदान करना है, जिसमें तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा और बादल की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर शामिल हैं - ये आवश्यक डेटा किसानों को बुवाई, कटाई और सिंचाई के संबंध में सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक है। यह प्लेटफ़ॉर्म मध्य प्रदेश सहित पूरे देश में पंचायत स्तर पर, किसी भी समय और कहीं भी मौसम पूर्वानुमान की जानकारी उपलब्ध कराता है। यह मौसम संबंधी जानकारी कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत पशु सखियों और कृषि सखियों के साथ-साथ अन्य स्वयं सहायता समूहों (SHGs) के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचायी जाती है। GPLWF किसानों को 36 घंटे की अवधि तक हर घंटे, 36 घंटे से अगले पाँच दिनों तक हर 3 घंटे और अगले 5 दिनों से 10 दिनों तक हर 6 घंटे में स्थानीय मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने में मदद करता है।

****